http://amritkalashtimes.com

# अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 89

प्रयागराज रविवार 15 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

## लोगों को नेताओं से ज्यादा डॉक्टरों पर भरोसा: योगी

**● एसजीपीजीआई में कहा-एआई से इलाज होगा, तीन गुना स्पीड बढ़ाएं डॉक्टर**

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम योगी लखनऊ में एसजीपीजीआई के 41वें स्थापना दिवस में शामिल हुए। दार्शनिक की कहानी सुनाई। कहा जीत की तैयारी इतनी शालीनता के साथ करो कि आपकी सफलता शोर मचा दे। यूपी में लोगों को नेताओं से ज्यादा डॉक्टरों पर भरोसा है। इसलिए, अंगदान के लिए लोगों को जागरूक करें। अगर कोई नेता यह बात बताएगा तो ज्यादातर मरीजों के परिवार को भरोसा नहीं होगा। मुझे लगता है कि अगर ऐसा प्रयास होगा तो पूरे प्रदेश में धूम मच जाएगी। पेशेंट आपकी जय-जयकार करेगा। डॉक्टरों के बारे में पेशेंट के मन में जो श्रद्धा सम्मान का भाव है वह सरकार से ज्यादा है। उन्होंने कहा अगर पेशेंट किसी दुर्घटना का शिकार हो गया है, उसका ब्रेन डेड हो चुका है। फिर भी उसके अंग काम आ सकते हैं। डॉक्टर उसके परिजनों को दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए तैयार करें। 2047 में देश अपनी आजादी का 100वां वर्ष पूरा करेगा। हमें भारत को कुशल देश की नजर से देखना होगा। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में योगी के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहे। योगी ने कहा अस्पतालों में किसी को सर्जरी के लिए लंबी डेट न दी जाए। एसजीपीजीआई देश का पहला चिकित्सा संस्थान है, जिसे 500 करोड़ रुपए मिले हैं। अभी तक रोबोटिक का उपयोग होता था। लेकिन अब हेल्थ को एआई टेक्नोलॉजी से जोड़ा जाएगा। जब कोरोना वायरस यूपी में आया तब प्रदेश में सर्वे कराया गया। 36 जिले ऐसे थे जहां आईसीयू का एक भी बेड नहीं था। तब एसजीपीजीआई के निदेशक ने सुझाव दिया कि हम लोग डेली आईसीयू प्रारंभ कर सकते हैं। फिर एसजीपीजीआई ने पूरी शालीनता के साथ प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू प्रारंभ किया। 75 के 75 जनपदों में हजारों लोगों की जान को बचाने में मदद मिली। योगी ने कहा उत्तर प्रदेश जैसे देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में स्वास्थ्य का मानक क्या होना चाहिए। मेडिकल एजुकेशन का स्टैंडर्ड क्या होना चाहिए। यह न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि उत्तर भारत में अब एसजीपीजीआई बिना किसी शोरगुल के यह करता है। हर मरीज चाहता है कि उसे अच्छी सुविधा मिले। मैं चाहूंगा कि अभी डॉक्टरों की जो स्पीड है, उसे तीन गुना बढ़ाएं। आपको जो संसाधन चाहिए सरकार उपलब्ध कराएगी। इसके लिए आपको स्वयं समय देना होगा। मुझे लगता है अगर आप एक दिन में 10 मरीज देखते हैं। अगर यह स्पीड तीन गुना कर दें तो डिफरेंट कैटेगरी के 25-30 मरीज मिलेंगे। उनका रहन-सहन, उनके खान-पान, उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का एक्सपीरियंस समझने के बाद आप बता सकते हैं कि इसका कैसे इलाज करना है। मुझे लगता है अगर आप स्पीड बढ़ा लेंगे तो आपके पास अनुभव का बहुत बड़ा खजाना होगा। इससे हम यहां भर्ती होने वाले पेशेंट की संख्या बढ़ा सकते हैं। एसजीपीजीआई में एक साल में सवा लाख पेशेंट्स आते हैं। हम इसको 1 साल में 5 लाख कर सकते हैं। यहां पर भर्ती होने वाले 48 हजार पेशेंट हैं। इसे बढ़ाकर डेढ़ लाख तक पहुंचा सकते हैं। किडनी ट्रांसप्लांट 150 तक हो रही है। हम इसे 500 तक पहुंचा सकते हैं। तब एक भी वेटिंग ट्रांसप्लांट नहीं रहेंगे। अगले 9 साल बाद मेडिकल फील्ड में बहुत बड़ा बदलाव होने वाला है। उत्तर प्रदेश में 1947 से लेकर 2017 तक यानी की 70 साल में 12 और 1 साल में 18 मेडिकल कॉलेज खोले गए। यह सरकार के काम की स्पीड है। इसी स्पीड के लिए हमें अपने आप को तैयार करना है। उत्तर प्रदेश में हम लोग 65 जिले में मेडिकल कॉलेज, डायलिसिस की सुविधा, ब्लड बैंक सेपरेटर यूनिट स्थापित कर चुके हैं। रविवार के दिन स्वास्थ्य विभाग के सभी चिकित्सक हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाते हैं। केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के बारे में बताते हैं। वहां पर कोई भी पेशेंट पहुंचकर इलाज करा सकता है। फाउंडेशन डे के ऑरेशन के लिए विशाखापट्टनम की गीतम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की वाइस चांसलर प्रो. डॉ. गीतांजलि बैटमैन बाने शामिल हुईं। स्थापना दिवस पर 19 फैकल्टी मेंबर्स और 24 स्टूडेंट्स को बेस्ट रिसर्च और परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया गया।

## रत्न जड़ित रथों और बग्घियों पर सवार होकर छावनी प्रवेश के लिए निकले जूना अखाड़े के नागा संन्यासी

प्रयागराज। देश के सबसे बड़े दशनामी परंपरा के संन्यासियों के अखाड़े के रूप में जूना अखाड़े की पेशवाई (छावनी प्रवेश) पूरे राजशाही अंदाज में हुई। इसमें देश-दुनिया से 10 हजार से अधिक नागा संन्यासियों ने हिस्सा लिया। शनिवार को अस्त्र-शस्त्र, बैंडबाजा के साथ सुसज्जित रथों पर जूना अखाड़े के संत सवार हुए। इस छावनी प्रवेश की पेशवाई में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद समेत 65 से अधिक महामंडलेश्वर शामिल रहे। रथों, बग्घियों के अलावा घोड़ों को सुसज्जित किया गया था। सोने, चांदी के हौदे और सिंहासन पर संन्यासी विराजमान रहे। यमुना तट स्थित मौजगिरि आश्रम से दोपहर 12रू30 बजे छावनी प्रवेश के लिए जूना अखाड़े का विशाल काफिला निकला। सबसे आगे अखाड़े के देवता चल रहे थे। इनके बादरमता पंच, शंभू पंच, श्री पंच, बूढ़ा पंच घोड़ों पर सवार होकर चल रहे थे। घोड़ों पर डंका-निशान और ध्वजा-पताकाएं लेकर नागा संन्यासी आगे बढ़ रहे थे। शंखनाद, डमरूनाद के साथ ही तरह-तरहके बैंडबाजे पेशवाई के दौरान बज रहे थे। गुरु दत्तात्रेय की चरण पादुका भी रथारूढ़ रही। जूना अखाड़े के प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि पूरे सजधज के साथ छावनी प्रवेश हुआ। इसमें 10 हजारे अधिक नागा संन्यासियों ने हिस्सा लिया। संन्यासिनियां और महिला महामंडलेश्वर भी रथों पर सवार होकर निकलीं। इसमें 65 से अधिक महामंडलेश्वर अलग-अलग रथों पर सवार रहे। 150 से अधिक रथों पर संतों की सवारियां निकलीं। जूना अखाड़े के संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि ने छावनी प्रवेश की तैयारियों को एक दिन पहले ही अंतिम रूप दे दिया था। इस विशाल छावनी प्रवेश में नागा संन्यासी अस्त्र-शस्त्र के साथ आगे चल रहे थे। इसमें बड़ी संख्या में किन्नर संत भी शामिल रहे। आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, जगद्गुरु, पीठाधीश्वर, महंत सहित अन्य पदाधिकारियों ने छावनी प्रवेश में हिस्सा लिया। छावनी प्रवेश के दौरान जगद्गुरु स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती, जूना अखाड़े के अध्यक्ष महंत प्रेमगिरि,गर्गाचार्य मुचकुंद पीठाधीश्वर स्वामी महेंद्रानंद गिरि,जगद्गुरु स्वामी भुवनेश्वरी गिरिभी भी शामिल रहीं।

## भारत-पाक दुश्मनी का खामियाजा भुगत रहा जम्मू-कश्मीर: महबूबा मुफ्ती

बडगाम, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी का खामियाजा जम्मू-कश्मीर को भुगतना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादी घटनाओं को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सुलह ही एकमात्र तरीका है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग दोनों देशों की दुश्मनी में फंसे हुए हैं। उनका

जीवन और उनकी संपत्ति नष्ट हो रही है क्योंकि दोनों देश एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। महबूबा ने बडगाम में संवाददाताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और गरीब गैर-स्थानीय मजदूरों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि दुर्भाग्य से, एनडीए सरकार दिन-ब-दिन भारत के संविधान को नष्ट कर रही है। भारत एक संघीय देश है। यहां संघीय ढांचा है। एक राष्ट्र एक चुनाव इस संघीय ढांचे को कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा वे 2047 की बात करते हैं लेकिन आगे बढ़ने के बजाय वे पीछे जा रहे हैं। वे हमें वापस उसी तानाशाही की ओर ले जाना चाहते हैं, जो मेरे हिसाब से बहुत गलत है।

## हमारा संविधान सबसे बड़ा और खूबसूरत : रिजिजू

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने समानता को संविधान की आत्मा करार देते हुए लोकसभा में आज कहा कि इसमें सभी नागरिकों के लिए बराबरी का अधिकार और अवसर प्रदान किया गया, इसलिए यह दुनिया का सबसे बड़ा और खूबसूरत संविधान है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने 'संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर आज दूसरे दिन चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि संविधान की भावना के अनुसार ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के साथ सरकार का कामकाज शुरू किया। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत ही आज देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला विराजमान है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं, बल्कि सबसे खूबसूरत भी है, जिसमें सभी के लिए प्रावधान है। इस संविधान को लेकर हम लोग गौरव महसूस करते हैं। श्री रिजिजू ने कहा कि हमारे देश में अल्पसंख्यक आयोग है, जबकि अन्य देश में ऐसा नहीं है। अल्पसंख्यकों के लिए विशेष कानून बनाया गया है। अल्पसंख्यकों के लिए कई योजनाएं बनाई गई, जिसका उनको लाभ मिल रहा है। कांग्रेस की सरकार हो या हमारी सरकार सबने अपने तरीके से काम किया है, लेकिन अल्पसंख्यक यहां सुरक्षित नहीं है, यह कहना गलत है। इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए, जिससे देश की छवि खराब हो। देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं तभी तो दूसरे देशों के पीड़ित यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब नहीं होते, तो हम जैसे लोग यहां चुनकर सदन में नहीं आते। बाबा साहब ने जो कहा उसकी कुछ लोग ग़लत व्याख्या कर कहने लगे कि उन्होंने हिन्दू विरोधी बात की है, जबकि ऐसा उन्होंने नहीं कहा है। बाबा साहब ने किसी एक धर्म को लेकर कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि देश प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उस समय के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा था कि अगर आरक्षण को बढावा देंगे, तब प्रतिभावान लोगों का नुकसान होगा। इस प्रकार की बात

पंडित नेहरू ने कई बैठकों में भी कही। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत प्रतिभावान को हम लोग भी बढाना चाहते हैं, लेकिन गरीबों पिछड़ों और वंचितों को कुचलकर नहीं हैं। श्री रिजिजू ने कहा कि बाबा साहब दोबारा 1952 में चुनकर सदन में आना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने षड्यंत्र करके उनको हराने का काम किया। कांग्रेस को इसके लिए देशवासियों से माफ़ी माँगनी चाहिए। बाबा साहब को कांग्रेस ने अपने शासन काल में भारत रत्न नहीं दिया। उन्होंने भारत रत्न उस समय दिया गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित सरकार केंद्र में आई। श्री रिजिजू ने कहा कि देश को आगे ले जाने के लिए सबको एकजुट होकर काम करना होगा। भारत को जब आजादी मिली उस समय कई अन्य देशों को आजादी मिली। भारत में लोकतंत्र सबसे मजबूत है, लेकिन अर्थव्यवस्था में पीछे रह गये, इसलिए श्री मोदी ने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया। हमारै देश में किसी चीज की कमी नहीं है फिर भी देश गरीब कैसे रहा।

## मोदी ने राज कपूर की 100वीं जयंती पर उन्हें अर्पित की श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सिनेमा के शोमैन राज कपूर को उनकी 100वीं जयंती के मौके पर शनिवार को उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की1 श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''आज हम महान फिल्मकार, दूरदर्शी फिल्मकार, अभिनेता और सदाबहार शोमैन राज कपूर की 100वीं जयंती मना रहे हैं! उनकी प्रतिभा ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और भारतीय और वैश्विक सिनेमा पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।'' उन्होंने लिखा, राज कपूर का सिनेमा के प्रति जुनून कम उम्र में ही शुरू हो गया और उन्होंने एक उम्दा कहानीकार के रूप में उभरने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी फिल्में कलात्मकता, भावना और यहां तक कि सामाजिक टिप्पणियों का मिश्रण थीं।

उन्होंने आम नागरिकों की आकांक्षाओं और संघर्षों को आम जतना तक पहुंचाया। प्रधानमंत्री ने लिखा, राज कपूर केवल एक फिल्म मेकर नहीं थे, बल्कि वे एक सांस्कृतिक राजदूत की भूमिका में थे। उन्होंने इस भूमिका में रहते हुए भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज के फिल्ममेकर उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं, जो आगे की पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। मैं एक बार फिर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और रचनात्मक दुनिया में उनके योगदान को याद करता हूं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज राज कपूर के गाने पूरी और उनके किरदार पूरी दुनिया में पसंद किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोग उनके सहज काम काम को याद करते हैं। उनकी फिल्में के कुछ किरदार जिन्हें लोग भूल नहीं पाते हैं। उल्लेखनीय है कि कपूर परिवार ने हाल ही में श्री मोदी से मुलाकात की थी और राज कपूर की 100वीं जयंती पर आयोजित समारोह के लिए उन्हें निमंत्रण दिया था।

## सीएम सुक्खू को दिए गए डिनर में `जंगली चिकन' परोसने का दावा, मचा बवाल

**● भाजपा ने की कार्रवाई की मांग**

धर्मशाला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शिमला में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद विवाद पैदा कर दिया, जहां कथित तौर पर 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित प्रजाति 'जंगली चिकन' को रात के खाने के मेनू में परोसा गया था। यह घटना एक पशु कल्याण संगठन द्वारा एक कथित वीडियो साझा किए जाने के बाद सामने आई। इस घटना की पशु अधिकार समूहों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने व्यापक निंदा की है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ माफी और कार्रवाई की मांग की है। सार्वजनिक कार्यक्रम शिमला के सुदूर कुफरी क्षेत्र में आयोजित किया गया था। सीएम सुक्खू रात्रिभोज में शामिल हुए और मेनू में जंगली चिकन, बिचू बूटी (एक स्थानीय जड़ी बूटी), और मक्का और गेहूं से बनी ब्रेड के स्लाइस शामिल थे। हालांकि सीएम सुक्खू ने जंगली मुर्गे का सेवन नहीं किया, लेकिन इसे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और अन्य मेहमानों को परोसा गया, जो संरक्षित प्रजातियों के अवैध शिकार के बारे में चिंता पैदा करता है। गौरतलब है कि उक्त जंगली मुर्गे राज्य में 3,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर पाए जाते हैं। यह कानूनी रूप से संरक्षित है और इसका शिकार करना दंडनीय अपराध है। इस विवाद ने सोशल मीडिया पर तूल पकड़ लिया, जिसमें पशु कल्याण समूहों और राजनीतिक नेताओं दोनों की ओर से जवाबदेही की मांग की गई। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता चेतन भरटा ने मांग की कि सीएम सुक्खू को सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए और जंगली चिकन परोसने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। राज्य के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने भी घटना की निंदा की और इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे का तत्काल समाधान करने का भी आग्रह किया। 'हालांकि सरकार जनमंच जैसे आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों की शिकायतों को दूर करने का दावा करती है, लेकिन वे अब पिकनिक मना रहे हैं।

## श्री गुरु दत्तात्रेय विजयतेतराम्

भारत की वैदिक सनातन संस्कृति और उसकी आध्यात्मिक संवेदनाओं की दिव्य अभिव्यक्ति ष्कुम्भ महापर्व, प्रयागराज – 2025ष के अंतर्गत शनिवार को नित्य विद्यमान स्मृत्यगामी भगवान श्रीदत्तात्रेय जयन्ती के पावन पर्व पर जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर श्री स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ष्पूज्य प्रभुश्रीष के नेतृत्व में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े में गिरि-कन्दराओं, मठ-मन्दिरों और आश्रमों में रहने वाले लाखों तपः पूत संन्यासियों और सन्तों के साथ ष्कुम्भ मेला प्रवेशष किया। जूना अखाड़े के परम संरक्षक एवं अखाड़ा परिषद के महामंत्री पूज्य श्री स्वामी हरिगिरि जी महाराज और सभापति पूज्य श्री स्वामी प्रेमगिरि जी महाराज के संयोजन में आज का कुम्भ मेला प्रवेश दिव्यता के अनुभव के साथ हो रहा है।

## अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर पनपता है लोकतंत्र : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र केवल प्रणालियों पर ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर केंद्रित मूल मूल्यों पर भी पनपता है। श्री धनखड़ ने यहां भारतीय डाक एवं दूर संचार लेखा और वित्त सेवा के 50वें स्थापना संबोधित करते हुए कहा कि आज की संस्थागत चुनौतियाँ भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। विचार की अभिव्यक्ति और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, डिजिटल संचार आयोग के वित्त सदस्य मनीष सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। श्री धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर पनपता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये जुड़वां ताकतें लोकतांत्रिक जीवन शक्ति को आकार देती हैं। उनकी प्रगति को व्यक्तिगत पदों से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक लाभ से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में बराबर भागीदार हैं। स्व-लेखा परीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, सेल्फ ऑडिट बहुत ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को गिराने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे, आपका पतन निश्चित है। और इसलिए, आत्म-लेखा परीक्षा, स्वयं से परे एक लेखा परीक्षा, आवश्यक है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और तालमेल पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विभागों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

# सम्पादकीय

## विवादास्पद हुआ अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देने का मामला

पिछले सप्ताह, अमेरिका और दुनिया भर के लोग इस खबर से स्तब्ध थे कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडेन को क्षमादान दे दिया है। यह क्षमादान विवाद महत्वपूर्ण था। क्षमादान यह सुनिश्चित करता है कि हंटर को उसके कथित अपराधों के लिए सजा नहीं दी जायेगी और वह जेल नहीं जायेगा। उसके मामलों को संभालने वाले न्यायाधीश संभवतरू बंदूक मामले के लिए 12 दिसंबर और कर मामले के लिए 16 दिसंबर को निर्धारित सजा सुनवाई को रद्द कर देंगे। बाइडेन अब राष्ट्रपति कार्यालय के लिए राजनीतिक दौड़ में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने गत जून में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने से पहले अपने बेटे को क्षमा न करने की प्रतिज्ञा की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान ने अक्सर विवाद को जन्म दिया है। हालांकि, कुछ निर्णय– जैसे कि राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देना– दूसरों की तुलना में अधिक आलोचना का कारण बने। संवैधानिक रूप से, राष्ट्रपति क्षमादान दे सकते हैं, एक ऐसी शक्ति जिसका उपयोग पिछले राष्ट्रपतियों ने किया है। परंपरागत रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति पद छोड़ते समय क्षमादान देते हैं। हालांकि, जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे को पूर्ण और बिना शर्त क्षमादान देने से इस मुद्दे में जटिलता और सार्वजनिक जांच की एक परत जुड़ गयी है, एक ऐतिहासिक संदर्भ जिसे जनता के लिए समझना महत्वपूर्ण है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि जो बाइडेन ने ऐसा क्यों किया। जो बाइडेन ने अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया है। वह अपने बेटे को बचाने और सार्वजनिक आलोचना के बीच फंस गये थे। हर कोई जानता है कि वह अपने परिवार के प्रति वफादार है। उनकी छोटी बेटी और पहली पत्नी की एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गयी, जिसमें उनके बेटे ब्यू और हंटर भी घायल हो गये थे। बाइडेन चाहते थे कि ब्यू चुनाव लड़े, लेकिन दुर्भाग्य से ब्यू की 2015 में ब्रेन कैंसर से मृत्यु हो गयी। बाइडेन परिवार के संघर्षों पर इस फोकस का उद्देश्य जनता से सहानुभूति पैदा करना है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, बाइडेन की दूसरी पत्नी ने जो को अंतिम निर्णय लेने के लिए राजी किया। राष्ट्रपति की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते। जनता की ओर से, साथ ही बाइडेन के पार्टी सहयोगियों की ओर से यह मिश्रित प्रतिक्रिया, इस मुद्दे को और जटिल बनाती है। दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है। जॉर्ज वाशिंगटन ने कुछ लोगों को क्षमा करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति अक्सर अपने मित्रों और सहयोगियों के लिए अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। एक विवादास्पद मामला पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का था, जिन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड ने 8 सितंबर, 1974 को क्षमा कर दिया था। निक्सन को वाटरगेट घोटाले के लिए संभावित अभियोजन का सामना करना पड़ा। 1992 के अंत में, राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने ईरान–कॉन्ट्रा मामले में फंसे छह लोगों को क्षमा कर दिया, जिनमें पूर्व रक्षा सचिव वेनबर्गर भी शामिल थे।बिल क्लिंटन, जिन्होंने यह कहने के बावजूद कि वह ऐसा नहीं करेंगे, अपने सौतेले भाई रोजर को कोकीन सम्बंधी आरोपों के लिए क्षमा कर दिया। इसी तरह, डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जेरेडकुशनर के पिता को कर चोरी और सहयोगी गवाह के खिलाफ प्रतिशोध के लिए माफ कर दिया। दोनों पहले ही अपनी जेल की सजा काट चुके थे। अपने पहले कार्यकाल के उत्तरार्ध के दौरान, ट्रम्प ने कई ऐसे व्यक्तियों को माफी दी जो गलत कामों में लिप्त थे। राहत महसूस कर रहे हंटर ने एक बयान में कहा, श्मैंने अपनी लत के सबसे बुरे दिनों के दौरान अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और उनकी जिम्मेदारी ली है – ऐसी गलतियां जिनका इस्तेमाल मुझे और मेरे परिवार को राजनीतिक खेल के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और शर्मिंदा करने के लिए किया गया है। हंटर बाइडेन के खिलाफ मामला कई वर्षों तक चला, जिसमें कर अपराधों और बंदूक की तस्करी के आरोप शामिल थे। उन्हें जून में दोषी ठहराया गया और सितंबर में कर चोरी के लिए दोषी ठहराया गया। बाइडेन ने कहा कि– हंटर पर चुनिंदा और अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया गया और बताया कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे। क्षमा का तत्काल प्रभाव यह है कि इससे डेमोक्रेट के लिए ट्रम्प की आलोचना करना कठिन हो जाता है। साथ ही, इसने ट्रम्प को 6 जनवरी की घटनाओं के लिए आरोपित लोगों को क्षमा करने का मौका दिया है। शुरुआत में हंटर को क्षमा न करने की घोषणा करने के बाद बाइडेन के मन में आये बदलाव के अपने कारण थे। उनमें से एक उनकी पत्नी थी, जिन्होंने बाइडेन को ऐसा करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि हंटर को केवल इसलिए चुना गया क्योंकि हंटर उनका बेटा था। राष्ट्रपति बाइडेन ने 25 व्यक्तियों को क्षमा किया है, जिनमें से कोई भी सीधे तौर पर उनसे जुड़ा नहीं है। आम तौर पर, राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के अंत में कई क्षमा अनुरोधों को मंजूरी देते हैं। फिर भी, क्षमा राष्ट्रपति पद पर जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचाती है। राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 20 जनवरी, 2001 को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन 140 क्षमादानों पर हस्ताक्षर किये। कई विधिनिर्माता भविष्य के लिए संभावित खराब मिसाल के बारे में चिंतित हैं। समस्या को हल करने का एक तरीका संविधान में संशोधन करना हो सकता है। फिर भी, यह एक लंबी प्रक्रिया है, और किसी भी पार्टी के पास कांग्रेस में इसे पारित करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। आलोचकों का तर्क है कि यह एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकता है और न्याय प्रणाली में जनता का भरोसा खत्म कर सकता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए की गई कार्रवाइयों के लिए आरोपित करना अधिक कठिन बना दिया है। वे किसी भी संभावित दोष के लिए राष्ट्रपति को जवाबदेह ठहराने के रास्ते सीमित करते हैं। क्षमादान शक्ति का दुरुपयोग माना जा रहा है, परन्तु हंटर की क्षमादान के बाद, राष्ट्रपति बाइडेन अपने सहयोगियों और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए व्यापक क्षमादान देने पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाऊस की प्रेस सचिव कैरिनजीन–पियरे ने कहा कि व्हाइट हाऊस छोड़ने से पहले, बाइडेन अतिरिक्त क्षमादान जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अपने दूसरे कार्यकाल में, ट्रम्प ने घोषणा की कि वह बाइडेन के शपथ लेने के दौरान कांग्रेस में हुए 2021 के टकराव को क्षमा करेंगे। यदि वह जनता की राय का सम्मान करते हैं तो उन्हें क्षमादान देने से पहले सावधान रहना चाहिए।

# ऐसी धारणा करें कि भगवान मुझे ही उपदेश दे रहे हैं, विश्वासी और श्रद्धावान बनें

**❍ श्रीमद्भगवद्गीता को आत्मसात करने वाला कभी डगमगाता नहीं है। गांधीजी कहते थे कि अंग्रेजों से लोहा लेते हुए जब वह थक जाते हैं, तो वह गीता मां की गोद में चले जाते हैं और ऊर्जा हासिल कर फिर उठ खड़े होते हैं।**

स्वामी सत्यानंद

श्रीकृष्ण भगवान के श्रीमद्भगवद्गीतारूप गीत बड़े सरल, अतिशय सुंदर, बहुत ही बलाढ्य, अतीव सारगर्भित और अत्यंत उत्तम हैं। उनमें सत्य का और तत्व ज्ञान का निरूपण अत्युत्तम प्रकार से किया गया है। उनके श्रवण, पठन, मनन और निश्चय करने से मनुष्य का अंतरात्मा अवश्यमेव जग जाता है, उसके चिदाकाश में सत्य का प्रकाश अवश्य ही चमक उठता है और उसका परम कल्याण होने में संदेह तक नहीं रह जाता। गीता के उपदेशामृत को भावना सहित पान कर लेने से भगवद्भक्त को परमेश्वर का परमधाम आप ही आप सुगमता से प्राप्त हो जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग की बड़ी महिमा है। कर्मों के फलों में आशा न लगाकर कर्तव्यबुद्धि से कर्म करना कर्मयोग है। कर्तव्यों को करते हुए मोह में, ममता में तथा लालसा आदि में मग्न न हो जाना अनासक्ति है। अपने सारे कर्मों को, अपने ज्ञान–विज्ञान, तर्क–वितर्क और ममता सहित, मन, वचन, काया से श्रीभगवान की शरण में समर्पण कर देना, कर्तापन का अभिमान न करना और अपने आप सहित कर्ममात्र को विधाता की भक्ति की वेदी पर बलि बना देना भक्तिमय कर्मयोग, सच्चा संन्यास है। श्रीकृष्ण के समय में लोग ज्ञान और संन्यास को मतरूप मानते थे और कर्म की निंदा किया करते थे। इसलिए श्रीकृष्ण

ने कर्तव्य पालन पर अधिक बल दिया और कर्मत्याग का निषेध किया है। श्रीमद्भगवद्गीता को अपने जीवन में आत्मसात करने वाला व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में डगमगाता नहीं है। महात्मा गांधी इसके सच्चे उदाहरण हैं। गांधीजी कहते थे कि अंग्रेजों से लोहा लेते हुए जब वह थक जाते हैं, तो वह गीता मां की गोद में विश्राम करने के लिए चले जाते हैं और फिर नई ऊर्जा हासिल कर उस शक्तिशाली सत्ता का सामना करने के लिए उठ खड़े होते हैं। गांधीजी अपनी नित्य प्रार्थना में श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित स्थितप्रज्ञ के लक्षणों को भी शामिल किया करते थे। श्रीमद्भगवद्गीताप्रेमी सांख्य, पातंजल और वेदांत का समन्वय है। इसका पाठ करने वाले स्त्री–पुरुष को ऐसी धारणा बनानी चाहिए कि मैं अर्जुन हूं और मुझ में पाप, अपराध, अकर्मण्यता, कर्तव्यहीनता, कायरता, दुर्बलता आदि जो भी दुर्गण हैं, उनको जीतने के लिए श्रीकृष्ण भगवान मुझे ही उपदेश दे रहे हैं। मेरी ही आत्मा की अमरसत्ता को जगा रहे हैं। मेरे ही चौतन्य रूप का वर्णन कर रहे हैं और आलस्य रहित होकर, समबुद्धि से स्वकर्तव्य कर्म करने को मुझे ही प्रेरित, उत्तेजित तथा उत्साहित करने में तत्पर हैं। श्रीभगवान का मैं ही प्रिय शिष्य हूं, परमप्रिय भक्त हूं और श्रद्धालु श्रोता हूं। ऐसे उत्तम विचारों से गीता का पाठक भगवान की कृपा का पात्र बन जाता है और उसमें गीता का सार सहज से समाने लग जाता है। भगवान ने श्रीमुख से स्वयं कहा है कि गीता का पाठ करना और उसको सुनना–सुनाना ज्ञान यज्ञ है, उससे मैं पूजा जाता हूं। श्रीमद्भगवद्गीता में नारायणी गीता का भी पूरा प्रतिबिंब विद्यमान है। इसका अपना मौलिकपन भी महामधुर और मनमोहक है।

सूत्र : विश्वासी व श्रद्धावान बनें

श्रीमद्भगवद्गीता के पाठक को चाहिए कि वह विश्वासी और श्रद्धावान यजमान बनकर बड़े गंभीर भाव से इस यज्ञ को किया करे और इसको परमेश्वर का पुण्यरूप परम पूजन ही समझे। सत्य पथ को प्रदर्शित करने के लिए संसार भर में गीता एक अद्वितीय और अद्भुत ज्योति स्तंभ है।

# यूनुस से ज्यादा उम्मीद मत रखिए..मौजूदा स्थिति में हसीना के दौर में हासिल उपलब्धियां उलटने का खतरा

**❍ शेख हसीना के दौर में भारत व बांग्लादेश के रिश्ते तेजी से मजबूत हुए थे, लेकिन अब वहां अल्पसंख्यकों के साथ जिस तरह की बर्बरता हो रही है, उससे दोनों देशों के बीच रिश्तों में कड़वाहट आई है। ढाका व दिल्ली ऐतिहासिक रूप से बेशक सहयोगी रहे हों, लेकिन फौज का मोहरा बने यूनुस से ज्यादा उम्मीदें लगाना शायद बेमानी होगा।**

आनंद कुमार

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से सहयोगात्मक रहे हैं, लेकिन अल्पसंख्यकों के अधिकारों और कूटनीतिक संघर्षों से जुड़ी घटनाओं की वजह से तेजी से खराब हो गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा भारत से शरण मांगने के बाद और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों और भारत में बांग्लादेशी मिशन पर हाल ही में हुए हमले से तनाव और बढ़ गए हैं। बीते 30 नवंबर को ढाका से होकर जाने वाली अगरतला–कोलकाता बस पर बांग्लादेश में हमला हुआ, जिससे दोनों मुल्कों के बीच तनाव बढ़ गया। जवाबी कार्रवाई में, दो दिसंबर को त्रिपुरा के अगरतला में बांग्लादेशी मिशन पर हमला किया गया, जिसके बाद ढाका ने तीखी प्रतिक्रिया जताई। बांग्लादेश ने वियना संधि (1961) के उल्लंघन का हवाला देते हुए भारतीय दूत को तलब किया, जो मेजबान देशों को राजनयिक परिसर की सुरक्षा करने के लिए बाध्य करता है। हालांकि भारत ने इस घटना पर खेद जताते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया और लापरवाही के लिए तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। लेकिन स्थिति तब और बिगड़ गई, जब बांग्लादेश ने अगरतला और कोलकाता से अपने मिशन प्रमुखों को वापस बुला लिया। यह ढाका और नई दिल्ली के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाता है।

इससे पहले प्रमुख हिंदू धार्मिक नेता और अल्पसंख्यक अधिकारों के मुखर समर्थक चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से स्थिति और भी खराब हो गई। दास को कथित तौर पर देशद्रोह के आरोप में हिरासत में लिया गया था। आरोप स्पष्ट न होने के बावजूद उन्हें जमानत नहीं दी गई, जिससे पूरे भारत में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। खबरें बताती हैं कि शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ 2,000 से ज्यादा हमले हुए हैं, जिनमें आगजनी, लूटपाट, मंदिरों में तोड़फोड़ और देवताओं का अपमान शामिल है। भारत ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इन हमलों के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय,

बांग्लादेशी अधिकारियों ने शांतिपूर्ण मांग करने वाले एक धार्मिक नेता को निशाना बनाया है।

नई दिल्ली ने दास के खिलाफ आरोपों की आलोचना करते हुए इसे अन्यायपूर्ण बताया और अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। भारत की चिंताओं को दूर करने के बजाय, ढाका ने इन मुद्दों को 'आंतरिक मामला' बताकर खारिज कर दिया। बांग्लादेशी सरकार ने भारत के बयानों को 'दोनों देशों के बीच मित्रता और समझ की भावना के विपरीत' बताया। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है और मौजूदा सरकार से अल्पसंख्यकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया। इस कूटनीतिक गतिरोध ने भारत–बांग्लादेश संबंधों के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

बांग्लादेश की राजनीति शुरू सेघविभाजित रही है। वहां की मुक्ति–विरोधी ताकतें हमेशा से ही भारत विरोधी रही हैं। सत्ता से शेख हसीना को हटाए जाने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं। भारत में रह रहीं हसीना ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए उन पर 'नरसंहार' में शामिल होने का आरोप भी लगाया है। बदले में यूनुस सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, जिसने दरार को और गहरा कर दिया है। ढाका ने नई दिल्ली पर मामले को बढ़ा–चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया है। यूनुस प्रशासन का दावा है कि हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यक हसीना के कार्यकाल की तुलना में अंतरिम सरकार में बेहतर ढंग से संरक्षित हैं। बिगड़ते रिश्ते दोनों मुल्कों के मजबूत आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को कमजोर करने का खतरा पैदा करते हैं। भारत–बांग्लादेश व्यापार 2023–24 में 14 अरब डॉलर तक पहुंच गया, लेकिन हालिया राजनयिक और धार्मिक तनाव इन उपलब्धियों को बाधित करने वाले हैं। भारतीय दूत प्रणय वर्मा ने हाल ही में बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने भारत–बांग्लादेश संबंधों की बहुआयामी प्रकृति और संवाद बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने मौजूदा चुनौतियों के बावजूद व्यापार, सुरक्षा और जल–बंटवारे जैसे क्षेत्रों में सहयोग के महत्व को स्वीकार किया। वहीं, भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री नौ दिसंबर को बांग्लादेश दौरे पर पहुंचे और वहां विदेश सचिव व अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मिलकर हिदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर बात की। बांग्लादेश में बढ़ते धार्मिक तनाव पर पश्चिमी नेताओं ने भी चिंता व्यक्त की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मार्गरिट मैकलियोड ने कहा कि अमेरिका स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और ढाका में अंतरिम सरकार को अल्पसंख्यक समुदायों में बढ़ती असुरक्षा को दूर करने और मौलिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। हालांकि, कई वैश्विक संकटों और राजनीतिक बदलावों के कारण अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा महत्वपूर्ण हस्तक्षेप की संभावना नहीं है। इसके बजाय, उनकी भूमिका बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं का समर्थन करने पर केंद्रित हो सकती है, जो परोक्ष रूप से भारत–बांग्लादेश संबंधों को स्थिर कर सकती है। बढ़ते अविश्वास के बावजूद दोनों देशों ने विवादों को सुलझाने की इच्छा का संकेत देते हुए संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। फौज की अंगुलियों पर खेल रहे यूनुस से ज्यादा उम्मीदें तो वैसे भी नहीं हैं, लेकिन उन्होंने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के आह्वान की औपचारिकता तो की ही है, उन्होंने दोनों देशों से दीर्घकालिक हितों को प्राथमिकता देने का भी आग्रह किया है। भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति बांग्लादेश के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती है। दोनों देश 4,000 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं और उनके बीच गहरे सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं। जैसा कि यूनुस ने कहा, 'दोनों देशों के बीच अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और पानी के मुद्दे पर संबंध बहुत करीबी होने चाहिए। हमें उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए अपनी पूरी शक्ति का उपयोग करना होगा।'

# संसद को ठप करती सरकार

दुनिया भर के संसदीय इतिहास में सम्भवतरू ऐसा उदाहरण ढूंढे से भी नहीं मिलेगा जो भारतीय संसद पेश कर रही है। अमूमन सरकारें संसद को चलाती हैं और गतिरोध विपक्ष पैदा करता है। देश में इसके उलट हो रहा है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार की देन है। यह उनका तीसरा कार्यकाल है लेकिन यह प्रवृत्ति और संसद के दोनों सदनों को चलाने का तरीका उनके नेतृत्व में बनी सरकारों ने पहले ही कार्यकाल से अख्तियार कर लिया था। विपक्ष को कुचलने के लिये जानी जाने वाली भाजपा सरकार ने लोकसभा में कमजोर विपक्ष देखकर पहले से ही ठान लिया था कि विरोधी आवाज को सदनों के बाहर भी कुचला जायेगा, भीतर भी, हर जगह...। ऐलानिया तौर पर पहले श्कांग्रेस मुक्त भारतश और बाद में श्विपक्ष मुक्त भारतश का नारा देने वाले मोदी और भाजपा ने संसद के बाहर येन केन प्रकारेण कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष को या तो चुनावों में हराया या फिर उनकी निर्वाचित सरकारों को ललचाकर या डरा–धमकाकर गिराया। साथ ही दूसरी पार्टियों के नेताओं को दल में आयात किया। इसके समांतर सदन के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को अपनी बात न कहने देने के लिये संख्या बल के जरिये भाजपा ने सारे हथकण्डे हथियाये, जिसमें से उसका लोकप्रिय हथियार है सदन को ही ठप करना। यहीं पर भारतीय संसद दुनिया भर की अन्य संसदों से अलग हो जाती है– एकदम अनूठी। इस साल की जून के पहले सप्ताह में निकले लोकसभा चुनावों के नतीजों के जरिये तीसरी बार यानी मौजूदा सरकार बनाने में मोदी–भाजपा को कामयाबी मिल तो गयी लेकिन विपक्ष बेहद मजबूत हो कर लौटा। ये अप्रत्याशित नतीजे थे जिसने मोदी को दो अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाने के लिये मजबूर कर दिया। ये नतीजे मोदी पर अनेकानेक आरोपों की छाया में लड़े गये लोकसभा चुनाव के थे। इनमें प्रमुख थे– संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की भाजपायी साजिश, जातिगत जनगणना, कारोबारी गौतम अदाणी को मोदी द्वारा अंधाधुंध लाभ पहुंचाना, मणिपुर में हिंसा व कुकी समुदाय पर अत्याचार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सहित निर्वाचन आयोग का पक्षपातपूर्ण रवैया, इलेक्टोरल बॉड्स के जरिये भाजपा को लाभ आदि। इनमें से कई मामले ऐसे थे जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सितम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक (कन्याकुमारी से कश्मीर) और जनवरी 2024 से मार्च तक (मणिपुर से मुम्बई) निकली क्रमशरू श्भारत जोड़ो यात्राश तथा श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश के दौरान जोरदार ढंग से उठाये जा चुके थे। पिछले लोकसभा चुनाव के प्रचार के पहले इंडिया गठबन्धन बन चुका था जिसने इन सारे मुद्दों को एक जनविमर्श का रूप दिया। यह तो सही है कि मोदी–भाजपा ने इन मुद्दों के बावजूद विजय पायी लेकिन माना गया कि इन्हीं मसलों ने भाजपा के 400 पार के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह भी सच है कि इन मुद्दों को लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने जो हमले भाजपा और मोदी पर किये उसी का परिणाम रहा कि मोदी तेलुगु देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों पर जा टिके। कमजोर होकर संसद में आये तीसरी मर्तबा के पीएम मोदी का इस बार सामना अपेक्षाकृत बड़े, मजबूत व अब तक एकजुट विपक्षी गठबन्धन से हो रहा है। इंडिया ने कहानी वहीं से शुरू की जहां उसने लोकसभा के चुनावी अभियान के अंतिम दिन यानी प्रचार बन्द होने की शाम को छोड़ी थी। पहले की दोनों लोकसभाओं (2014 एवं 2019 की) में भाजपा बेहद ताकतवर थी, विशेषकर इसकी पूर्ववर्ती। इसलिये 10 वर्षों तक मोदी की दिलचस्पी कम से कम उतनी देर तक संसद के सदनों को चलाये रखने में होती थी जितनी देर वे विपक्ष की आलोचना कर सकें, कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल की खामियां गिना सकें, नेहरू खानदान का अपमान कर सकें और अपने आप को अकेले ही सब पर भारी बतला सकें। अब लोकसभा का चेहरा दूसरा है। इसलिये अब भाजपा का लक्ष्य होता है कि संसद थोड़ी देर भी न चले। संसद की बैठकें प्रारम्भ होने पर जैसे ही प्रतिपक्ष अदानी के मुद्दे को लेकर हमलावर होता हैय क्योंकि यह इस वक्त सबसे बड़ा मुद्दा है, सत्ता बेंच का नियोजित खेल होने लगता है। हिंडनबर्ग की दो–दो रिपोर्टों में अदानी एवं उनके भाइयों की कारगुजारियों की बहुतेरी गाथाएं सामने आने के बाद हाल ही में सेबी अध्यक्ष माधवी बुच पर उंगलियां उठने से विपक्ष पहले दिन से आक्रामक है और इस बाबत गहन जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा कराये जाने की मांग पर अड़ा हुआ है। ऐसे में लोकसभा में सरकार का बचाव सदन के अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं तो राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़। दोनों ने ही अदानी का नाम लेने पर अपने–अपने सदनों में पूरी पाबंदी लगा रखी है। लोकसभा हो या राज्यसभा– अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी का नाम लेते ही उन वाक्यांशों को कार्यवाही से हटा दिया जाता है और सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता। बिरला–धनखड़ ने अदानी के नाम पर पिछली लोकसभा में कई दर्जन सदस्यों को निलम्बित कर दिया था। बिरला को इसका पुरस्कार दोबारा अध्यक्ष बनाकर दिया गया तो वहीं धनखड़ जो पदेन उप राष्ट्रपति हैं, एक पायदान ऊपर चढ़कर देश का सर्वोच्च पद पाने को लालायित हैं। इसलिये वे राज्यसभा में अदानी का नाम लेने से विरोधी सदस्यों को मना करते हैं पर जॉर्ज सोरोस का भाजपायी सदस्यों द्वारा उल्लेख करने से उन्हें गुरेज नहीं है। उनके खिलाफ इसलिये नाराज विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला रहा है। इस आड़ में सत्तारुढ़ दल ही संसद को ठप किये हुए हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, संसदीय परम्परा के प्रतिकूल भी।

## संक्षिप्त समाचार

### सात फेरे लेकर एक दूसरे के हुए 62 नव दंपती

मऊ। मऊ में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बृहस्पतिवार को कम्युनिटी हॉल परिसर में खंड विकास अधिकारी परदहां की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विकास खंड बड़राव के 12 जोड़े, विकास खंड फतहपुर मंडाव के 5 जोड़े विकास खंड रतनपुरा के 1 जोड़े, विकास खंड घोसी के 02 जोडेघ, विकास खंड के मुहम्मदाबाद गोहना के 15 जोड़े, विकास खंड रानीपुर के 06 जोड़े, विकास खंड दोहरीघाट के 09 जोड़े, विकास खंड कोपागंज के 08 जोड़े, विकास खंड परदहां के 04 जोड़े ने सात वचनों को लेकर एक दूसरे का हाथ थामा। मुख्य अतिथि विनय कुमार, सदस्य उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग, विशिष्ट अतिथि राजेश कुमार, ब्लाक प्रमुख परदहा, खंड विकास अधिकारी परदहा और जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जोड़ों को आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथि विनय कुमार ने कहा कि कि जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1051 जोड़ों के शादी कराने का लक्ष्य है। अब तक कुल 393 जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अनुज कुमार ने बताया कि विवाह में उपहार सामग्री स्वरूप दूल्हे के लिए पैंट शर्ट का कपड़ा, दुल्हन के लिए साड़ी सेट, चांदी की बिछया, पायल एक जोड़ी, स्टील डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्राली बैग, वैनिटी किट, दीवार घड़ी दी गई। विवाह के बाद 35,000 की धनराशि लाभार्थी के खाते में भेजी जाएगी।

### प्रबंधक ने पीटा तो छात्र ने दर्ज कराया मुकदमा

मऊ। चोरपाकला स्थित एक निजी स्कूल के 12वीं के छात्र ने प्रबंधक पर पिटाई कर घायल करने का मुकदमा दर्ज कराया है। हलधरपुर थाना क्षेत्र के बकुची डांडी डीह गांव निवासी छात्र (16) ने बताया कि वह चोरपा कला स्थित हरीशचंद्र दुलारी इंटर कॉलेज में पढ़ता है। वह सात दिसंबर को स्कूल गया था। कक्षा में आगे की सीट पर बैठने को लेकर छात्र से विवाद हो गया था। आरोप लगाया कि इसकी जानकारी होने पर प्रबंधक गामा यादव ने उसे बुलाया और उसको डंडे से पीटा। इससे उसके हाथ और कंधे में चोट लगी। आरोप लगाया कि उसके बाद उसे घर जाने से रोक दिया गया, बाद में उसने अपने किसी साथी की मदद से फोन कर परिजनों को सूचना दी। उसके पिता के साथ सरायलंखसी थाने पहुंचकर प्रबंधक के विरुद्ध तहरीर दी। प्रबंधक गामा यादव का कहना है कि दो छात्रों के बीच विवाद उनके पास पहुंचा था, इसके बाद उन्होंने दोनों को सजा दी थी।

### फंदे से लटकता मिला विवाहिता का शव

चकिया। स्थानीय कोतवाली के सिकंदरंपुर गांव में विवाहिता पूजा (23) का बृहस्पतिवार की सुबह पंखे की कुंडी में साड़ी के फंदे से शव लटकता मिला। ससुराल पक्ष के लोगों ने शव को उतार कर अंतिम संस्कार के लिए मिर्जापुर के नरायनपुर पहुंच गए। सूचना पाकर पहुंचे मायके वालों ने अंतिम संस्कार रुकवाया। पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। नरायनपुर पुलिस की सूचना पर चकिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मायके पक्ष की तहरीर पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मुगलसराय कोतवाली के जलीलपुर गांव निवासी बालकरन की पुत्री पूजा की शादी 3 वर्ष पहले चकिया कोतवाली के सिकंदरपुर गांव निवासी विजय पटेल के छोटे पुत्र अभिषेक पटेल से हुई थी। पूजा के 2 वर्ष की बच्ची है। अभिषेक पटेल के घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह वाराणसी में निजी काम करता है। अभिषेक का बड़ा भाई अपनी पत्नी के साथ दूसरे शहर में रहकर नौकरी करता है। उसकी मां और पिता की निधन हो चुका है। पूजा अपनी बच्ची के साथ अकेले घर में थी। बृहस्पतिवार की सुबह अभिषेक ने पत्नी को फोन किया लेकिन फोन नहीं उठा। आशंका होने पर उसने पड़ोसियों से घर पहुंच कर बात कराने को कहा।

### पोखरी में डूबने से तीन साल के मासूम की मौत

सकलडीहा। आंबेडकर बस्ती में बुधवार को तीन साल के मासूम बच्चे की पोखरी में डूब जाने से मौत हो गयी। सीएचसी पर बच्चे को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना दिये बगैर परिजनों ने शव का बलुआ घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। बस्ती के शिवमूरत राम को पांच वर्षीय पुत्री परी व एक पुत्र 3 वर्षीय अंकुश है। शिवमूरत मजदूरी करने के लिये बुधवार सुबह घर से निकल गया था। माता सरोजा देवी घर पर बच्चों के साथ थीं। घर के बगल में पोखरी के पास एक कुतिया ने बच्चे को जन्म दिया था। मासूम अंकुश वहां कुत्ते के बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी बीच वह गढ़ई में गिरकर डूब गया। चार बजे तक घर के आसपास अंकुश के नहीं दिखायी देने पर सरोजा देवी उसे तलाशने लगीं। काम से लौटकर पहुंचे पिता भी बच्चे को खोजने में जुट गये। करीब पांच बजे बच्चे का शव पोखरी में उतराया देख ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला। परिजन उसे सकलडीहा सीएचसी ले गये। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाल हरिनारायण पटेल ने बताया कि घटना को लेकर परिजनों की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई है।

### ट्रैक्टर पलटने से कमाऊ बेटे की थम गईं सांसें, पिता की मौत के बाद संभाल रहा था परिवार, बिलख पड़े परिजन

वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र के करसड़ा में गुरुवार की अलसुबह बालू लदा ट्रैक्टर पलटने से दबकर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। चौबेपुर थाने क्षेत्र के मुस्तफाबाद निवासी सूरज प्रजापति (21) वर्ष ट्रैक्टर चालक था। सुबह के समय वह अदलपुरा से बालू लादकर अखरी आ रहा था। ट्रैक्टर जैसे ही करसड़ा के पास पहुंचा कि अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। नीचे गिरते ही सूरज दब गया। ट्रैक्टर पंचर होने के कारण स्टेयरिंग को सूरज संभाल नहीं सका था। पुलिस पहुंची और उसे अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मुस्तफाबाद के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पारसनाथ ने बताया कि सूरज के पिता की पिछले वर्ष बीमारी से मौत हो गई थी। परिवार में कोई कमाने वाला नहीं था। उसकी मां राधा देवी बेटी पायल 14 वर्ष व एक छोटे बेटे साहिल 12 वर्ष को अपने साथ लेकर हैदराबाद चली गई और वहीं मजदूरी कर गुजर बसर कर रही है।

### नशीले पाउडर के साथ पकड़े गए दोषी को दस साल की सजा

वाराणसी। अपर सत्र न्यायाधीश पंचम यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने 125 ग्राम नशीले पाउडर के साथ रेलवे स्टेशन पर पकड़े गए आरोपी पर लगाए गए दोषों को सही पाया। उसे दस साल की सजा और एक लाख रुपये जुर्माना भरने का आदेश दिया। 22 फरवरी 2022 को जीआरपी उप निरीक्षक अयोध्या कुमार टीम के साथ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पश्चिमी फुट ओवरब्रिज के पास पहुंचे। यहां संदीप यादव उर्फ रिंकू यादव निवासी जलालपुर जौनपुर सवा सौ ग्राम नशीले पाउडर के साथ बैठा था। पुलिस के मुताबिक यह लोग इसी पाउडर की सहायता से यात्रियों को बेहोश कर लूट करते थे।

### माता प्रसाद पांडेय बोले, नरसिम्हा राव के नियम को बदल रही भाजपा

बहराइच (यूएनएस)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि वर्ष 1951 में नरसिम्हा राव ने नियम बनाया था, उसके बाद भी भाजपा उनके नियम को बदल रही है। जब तक वह हिंदू मुस्लिम नहीं करेगी तो उनकी सत्ता नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि पहले बहराइच और अब संभल जाने से उन्हें रोका गया। लेकिन मामला शांत होने पर वह महाराजगंज के लोगों से मिलने के लिए जा रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में पहुंचे। उन्होंने सपा पदाधिकारियों से मुलाकात कर जिले की स्थिति के बारे में जानकारी ली। प्रेस वार्ता के दौरान माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बारे में वह कुछ नहीं कहना चाहते हैं। उन्होंने अलग पार्टी बना रखी है। प्रदेश में हो रहे बवाल के मामले में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सम्भल में सरकार ने बवाल करवाया।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि नरसिम्हा राव ने वर्ष 1951 में नियम बना दिया था। फिर किसी धार्मिक स्थल को क्यों बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिन्दू मुस्लिम करके सत्ता हासिल करना चाहती है। वह विकास पर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

# GST आयुक्तके सामने व्यापारियों ने उठाये मुद्दे, ट्रिब्यूनल का नहीं हुआ गठन, हो रहा उत्पीड़न

वाराणसी। स्टेट जीएसटी के आयुक्त नितिन बंसल के साथ महानगर के व्यापारियों की बैठक गुरुवार को चेतगंज स्थित जीएसटी कार्यालय में हुई। इसमें व्यापारियों ने जीएसटी से जुड़ी समस्याओं को उठाया और अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

इस दौरान सुझाव और मांगपत्र भी सौंपा। आयुक्त जीएसटी ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि समस्याओं का समाधान हर स्तर पर किया जाएगा। महानगर उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा ने कहा कि बकाया वसूली व सर्वे के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। महामंत्री अशोक जायसवाल ने कहा कि सात साल बाद भी द्वितीय अपील, ट्रिब्यूनल का गठन नहीं हो सका। प्रथम अपील पर ही अपील निस्तारण का दबाव बनाया जा रहा है, जो कि न्याय के खिलाफ है। बकाया धनराशि की वसूली के लिए व्यापारियों के बैंक खाते सीज करना अव्यवहारिक है। तीन माह पूर्व नोटिस जारी करें, ताकि वह कागजात का मिलान कर सके।

व्यापारियों ने रखी अपनी बात

सन्नी जौहर ने कहा कि बिना किसी नोटिस के रिकवरी के संबंध में व्यापारियों के खाते सीज किये जा रहे हैं। कई मामले ऐसे हैं, जिनमें व्यापारी द्वारा पैसा जमा किया जा चुका है या उसपर कोई मांग शेष नहीं है लेकिन उसके बाद भी कार्रवाई की जा रही है। घनश्याम जायसवाल ने कहा कि ऑनलाइन रिर्टन दाखिल करने के बाद भी व्यापारियों को हार्डकॉपी के साथ ऑफिस बुलाया जाता है। इस बीच कई बार व्यापारियों को चक्कर लगाना पड़ता है।

अजय गुप्ता ने कहा कि छोटे व मध्यम वर्ग के व्यापारियों के गोदामों में कंप्यूटर व दक्ष कंप्यूटर ऑपरेटर होना संभव नहीं है, जिससे वह गोदामों से माल अपने दुकानों पर मंगवाते समय ईवे–बिल नहीं जेनरेट कर सकते। इसलिए केवल चालान पर 200000 तक के माल के आवागमन की अनुमति देनी चाहिए। रजनीश कन्नौजिया ने कहा कि ई वे–बिल की समय सीमा के उल्लंघन का अनुपालन व्यापारी पर न थोपा जाए। उदय राज सिंह ने कहा कि मानवीय भूल पर प्रत्येक गलती पर ब्याज और आर्थिक दंड की मात्रा बहुत ज्यादा है। कम टैक्स जमा करने पर अर्थ दंड के स्थान पर सिर्फ ब्याज का प्रावधान होना चाहिए। यदि टैक्स चोरी जान–बूझ कर की गई है तो अर्थ दंड उचित है।

30 दिन में आईटीसी रिफंड का हो प्रावधान

पंकज अग्रवाल ने कहा कि यदि किसी क्रेता व्यापारी के पास जीएसटी पेड का बिल है और उक्त बिल का भुगतान किया जा चुका है, उस पर इनपुट क्रेडिट मिलना चाहिए और यदि विक्रेता द्वारा सरकार को जीएसटी का भुगतान नहीं किया गया तो उस स्थित में विक्रेता को दंडित करना चाहिए। डॉ. अंजनी मिश्रा ने कहा कि आईजीएसटी से सीजीएसटी एसजीएसटी के इनपुट क्रेडिट लेने में बहुत कठिनाई है। बहुत से व्यापारियों का इनपुट क्रेडिट न मिलने के कारण वर्किंग कैपिटल समाप्त हो गया है। 30 दिनों में आईटीसी रिफंड करने का प्रावधान बहुत जरूरी है। बैठक में जीएसटी एडिशनल कमिश्नर ग्रेड वन डीएन सिंह, मनीष कटारिया, संजय सिंह, दिनेश अग्रवाल, धर्मेंद्र अग्रवाल, दीपक वासवानी, संतोष अग्रहरि, अरुण केसरी आदि रहे।

हार्डकॉपी में जारी हो व्यापारियों को नोटिस

पूर्वांचल उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने भी जीएसटी आयुक्त नितिन बंसल से मुलाकात की। अध्यक्ष अरूण केशरी ने बताया कि जीएसटी कानून के विभिन्न कानूनों में पोर्टल पर नोटिस जारी कर दिया जा रहा है। इसके बाद ईमेल भी किया जा रहा है। व्यापारी अपने कार्यों के चलते मेल को ओवरलुक करते हैं तो उन पर मनमाना टैक्स ब्याज, पेनाल्टी लगाया जाता है। हार्डकॉपी के जरिए व्यापारियों को नोटिस जारी हो।

टैक्स कलेक्शन में तेजी लाने के निर्देश

आयुक्त जीएसटी नितिन बंसल ने जीएसटी एडिशनल कमिश्नर समेत अन्य अधिकारियों संग बैठक की। इस दौरान उन्होंने टैक्स कलेक्शन में तेजी और सचल दल अधिकारियों को निष्पक्ष कार्रवाई को निर्देशित किया।

# अब डिग्री की फोटो कॉपी कराने पर लिखेगा 'कॉपी', रुकेगी डुप्लीकेसी, दीक्षांत समारोह में 544 को मिलेंगे पदक

वाराणसी। बीएचयू के 104वें दीक्षांत समारोह में 14 दिसंबर को 544 मेधावियों को पदक दिए जाएंगे। स्नातक, स्नातकोत्तर सहित अन्य कोर्स के 14072 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएगी। स्वतंत्रता भवन में सुबह 9.30 बजे से समारोह में आईआईटी बीएचयू के पूरा छात्र और जाने माने उद्यमी जय चौधरी मुख्य अतिथि होंगे। चौधरी ने 1980 में विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अब आईआईटी बीएचयू) से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री ली है। बृहस्पतिवार को केंद्रीय कार्यालय में कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों के लिए दिवाली होती है। समारोह को उत्सव जैसा मनाया जाता है। केंद्रीय कार्यालय समिति कक्ष में कुलपति ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम में मंच से 30 विद्यार्थी पदक प्राप्त करेंगे। इस साल 8110 विद्यार्थियों को स्नातक, 5074 को स्नातकोत्तर, 867 को पीएचडी और 21 को एमफिल उपाधि दी जाएगी।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से पुरा छात्र बनने का समय जरूरी होता है। कहा कि दीक्षांत में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जीवन भर इस क्षण को याद करते हैं। पुरा छात्रों को विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर संस्थान की विकास गाथा में भागीदार बनना चाहिए।

सिक्योरिटी फीचर से डिग्री का फर्जीवाड़ा रुकेगा

कुलपति ने बताया कि इस साल दीक्षांत समारोह में छात्रों को दी जाने वाली डिग्रियों में कई तरह के सुरक्षा फीचर भी रहेंगे। विद्यार्थियों को लेमिनेशन वाली डिग्री की जगह एक विशेष कवर फाइल में रखकर दी जाएगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एनके मिश्रा ने बताया कि डिग्री पर क्यूआर कोड लगाया गया है, इससे कोई भी शिक्षण संस्थान या विद्यार्थियों को नियुक्तियां दे रहे संस्थान सत्यता जांच सकेंगे। पंजीकरण संख्या, कोर्स की सूचना मिलेगी। फोटोकॉपी करने पर डिग्री की प्रति पर 'कॉपी' अंकित हो जाएगा। इससे डुप्लीकेसी पर रोक लग सकेगी।

### वाराणसी में मस्जिद से 50 मीटर दूर छात्रों का हंगामा,यूपी कॉलेज के बाहर सड़क पर बैठे, पुलिस ने घेरा

वाराणसी (यूएनएस)। वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज के गेट पर आज फिर छात्र प्रदर्शन पर उतर आए। छात्रों की तीन मांगे हैं। पहली– पिछले दिनों गिरफ्तार दो छात्रों को रिहा किया जाए। दूसरी–कॉलेज के कई हॉस्टल बंद हैं, इन्हें खोला जाए। तीसरी– कॉलेज में धार्मिक गतिविधि ा बंद कराई जाए। मस्जिद से 50 मीटर दूर छात्र धरने पर बैठे हैं। पुलिस ने धरने पर बैठे छात्रों को चारों तरफ से घेरा है। 25 नवंबर को सीएम योगी यूपी कालेज के 115वें संस्थापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यूपी कॉलेज को यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाएंगे। उनके जाने के बाद सुन्नी सेंट्रल बोर्ड की यूपी कालेज की संपत्ति को लेकर 2018 में जारी नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल हुई। 29 नवंबर को 500 से अधिक नमाजी यूपी कॉलेज पहुंचे। मस्जिद में नमाज अदा की। इससे पहले वहां 5–10 लोग ही नमाज अदा करने आते थे। कॉलेज कैंपस में धर्म विशेष से जुड़े लोगों की भारी संख्या में मौजूदगी को लेकर कालेज एडमिनिस्ट्रेशन ने पुलिस प्रशासन से गहरी आपत्ति जताते हुए माहौल बिगड़ने की आशंका जताई। 3 दिसंबर को कालेज के छात्रों ने मस्जिद से 50 मीटर दूर हनुमान चालीसा का पाठ करके पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी थी कि मुस्लिम पक्ष नमाज अदा करने आएगा, तो वह भी हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। विरोध ा–प्रदर्शन के बीच पुलिस ने परिसर में होने वाली नमाज को सुरक्षा और परीक्षा का हवाला देते हुए बंद करवा दिया था। 3 दिसंबर से ही कैंपस के अंदर नमाजी नमाज अदा करने नहीं जा रहे हैं।

### पति से झगड़कर महिला का सुसाइड,शादी के बाद खर्चे बढ़ने पर होने लगा विवाद

वाराणसी (यूएनएस)। वाराणसी में गुरुवार को महिला ने किचन में फांसी लगा ली। छत के पंखे में दुपट्ट्टे का फंदा बनाकर सुसाइड किया। आत्महत्या से कुछ देर पहले ही उसका पति से विवाद हुआ था। फिर महिला किचन में दोपहर का खाना बनाने चली गई। मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया। मुहल्लेवालों की सूचना पर सारनाथ पुलिस मौके पर पहुंची, मामले की पूरी पड़ताल की और आला अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस ने परिजनों से शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। चंदौली के मुगलसराय के निवासी हंसराज जायसवाल ने अपनी रागिनी जायसवाल की शादी सारनाथ थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी सुशांत जायसवाल उर्फ लड्डू से 2019 में की थी। वह अपने मामा की दुकान पर काम करता था और अपने घर में रहता था। शादी के बाद रागिनी को दो बेटे हुए और घर के खर्चों में बढ़ोत्तरी हो गई। कम कमाई के बीच पति पत्नी में अनबन शुरू हो गई। अक्सर झगड़े होने लगे जिसमें परिवार वालों ने कई बार समझा बुझाकर मामला शांत कराया। गुरुवार को दोनों के बीच फिर विवाद हो गया, इसके बाद रागिनी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति जब घर पर लौटा तो उसे फंदे पर लटकता पाया। ससुराल पक्ष के लोग पड़ोसियों की मदद से फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। मामले की जानकारी के बाद एडीसीपी महिला अपराध ममता रानी और एसीपी कैंट विदुष सक्सेना मौके पर पहुंचे और पति समेत ससुरालीजनों से पूछताछ की। इसके अलावा मायके पक्ष के लोगों से भी बातचीत की, घटनास्थल का मुआयना भी किया। ससुराल वालों का कहना है कि उन्होंने घटना के बारे में किसी को सूचित किए बिना अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि, मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

### बंद मकान से चोरी करने वाला गिरोह दबोचा,लंका पुलिस ने बिछाया जाल तो फंसे चोर

वाराणसी (यूएनएस)।वाराणसी में बंद मकानों से चोरी करने वाले एक गिरोह को लंका पुलिस ने दबोच लिया। चोरी की शिकायतों की बीच जांच में जुटी पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, इनके अलावा एक नेटवर्क भी पुलिस को पता चला, जो चोरी का माल खरीदने में शामिल है। लंका पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को सामने घाट से गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि सभी चोरों का निशाना हाईवे किनारे के बंद मकान रहते हैं। सभी पहले मकानों की रेकी करते थे फिर मौका पाकर वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों के कब्जे से 11.40 लाख रुपए नकदी और चोरी करने के उपकरण और बाइक बरामद की है। भेलूपुर एसीपी धनंजय मिश्रा ने बताया कि लंका इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने लोहता के कन्हई सराय का शाहिद अंसारी, सालारपुर सारनाथ का अजय गुप्ता और जलालीपट्टी मंडुवाडीह का रहने वाला शत्रुघ्न कुमार है। आरोपियों ने 16 नवंबर को हाइवे के (नरायनपुर डाफी) में बंद मकान से नकदी और आभूषण चोरी की थी। इंस्पेक्टर के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि आभूषण बेचकर ग्यारह लाख रुपये इकट्ठा किए थे।

# माफिया BKD के नाम पर मांगी थी एक करोड़ की रंगदारी, आरोपी को मिली जमानत, मिला ये आदेश

वाराणसी। माफिया बताकर एक करोड़ की रंगदारी मांगने के आरोपी को कोर्ट से राहत मिल गई है। अपर जिला जज (पंचम) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने केराकत, जौनपुर निवासी आरोपी नसीम को एक–एक लाख रुपये की दो जमानत एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वादी जितेंद्र कुमार यादव ने भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि 30 दिसंबर 2021 को अपराह्न 3.18 और 3.22 बजे उसके मोबाइल नंबर पर एक व्यक्ति ने फोन किया। खुद का नाम माफिया बीकेडी बताया और एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। रंगदारी न मिलने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। विवेचना के दौरान आरोपी का नाम प्रकाश में आने पर पुलिस उसे गिरफ्तारी के लिए दबिश देने लगी। साथ ही कोर्ट के आदेश पर उसके घर कुर्की की नोटिस चस्पा कर दी। जिसके बाद आरोपी सात अक्तूबर 2024 को कोर्ट में समर्पण कर जेल चला गया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि आरोपी पिछले 7–8 सालों से अपने परिवार के साथ मुंबई में रहता है। उसका इस मामले से कोई लेना देना भी नहीं है, और न ही उसने किसी से रंगदारी मांगी है। पुलिस ने फर्जी ढंग से उसको आरोपी बना दिया है।

### इन पदों के लिए हो रही भर्ती, शुरू हुआ आवेदन, इस तारीख से पहले कर लें रजिस्ट्रेशन

वाराणसी। बीएचयू में रजिस्ट्रार और परीक्षा नियंत्रक पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है। अगले साल तीन जनवरी तक ऑनलाइन फॉर्म भरा जा सकता है। वहीं, आठ जनवरी तक आवेदन पत्र डाउनलोड करने के साथ ही जरूरी दस्तावेज बीएचयू के होलकर हाउस में भेजना होगा। रिक्रूटमेंट एंड एसेसमेंट सेल की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इस पद के लिए जरूरी योग्यता और बाकी विवरण भी देखा जा सकता है। इनका वेतनमान 14 पे लेवल यानी कि डेढ़ लाख तक होगा। एकेडमिक स्तर पर 15 साल का अनुभव होना चाहिए। ऐच्छिक योग्यता में पीएचडी, एलएलबी, मैनेजमेंट और ई–गवर्नेंस में काम करने का अनुभव हो। पिछले पांच साल कार्य अनुभव की ग्रेडिंग बहुत अच्छी हो।

### अब नए भवन में होगी ईसीजी और अल्ट्रासाउंड जांच

रामनगर। लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल रामनगर में कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को 24 बेड वाले आयुष्मान और सर्जिकल वार्ड का उद्घाटन किया। अब मरीजों को भर्ती करने के साथ ही यहां नए भवन में ईसीजी और अल्ट्रासाउंड जांच की व्यवस्था की गई है। विधायक ने अधिकारियों के साथ अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि लोगों की मूलभूत सुविधाओं में स्वास्थ्य सेवा प्राथमिकता है। सरकार भी लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। यहां मरीज और तीमारदारों के बैठने के लिए टीनशेड का लगाया गया है। इसके अलावा दवा वितरण और पंजीकरण परिसर संख्या बढ़ाने के साथ ही बाहर स्टील रेलिंग लगाई गई है। साथ ही पूरे परिसर में इंटरलॉकिंग कर यहां औषधि युक्त बागवानी भी की गई है।

## शंकराचार्य आश्रम में संतों ने सफाई मित्र का सम्मान किया

प्रयागराज। अलोपीबाग स्थित श्रीशंकराचार्य आश्रम में वासुदेवानंद

सरस्वती जी महाराज ने एक हजार सफाई मित्र को कंबल और मिठाई देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गंगा महासभा व अखिल भारतीय संत समिति सचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज उपस्थित रहे।

महाकुम्भः संगम पूजन करते जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज, शंकराचार्य काशी सुमेरु पीठाधीश्वर नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज, जूना अखाड़ा संरक्षक महंत हरि गिरी जी महाराज।

**महाकुम्भ मेला 2025**
**के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन**

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुम्भ मेला-2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

**गाड़ी सं. 01661/01662 रानी कमलापति-बनारस कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी**

| गाड़ी संख्या - 01661 | | | गाड़ी संख्या - 01662 | |
|---|---|---|---|---|
| रानी कमलापति - बनारस | | | बनारस - रानी कमलापति | |
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| ..... | 11:10 | रानी कमलापति | 11:30 | ..... |
| 03:00 | 03:02 | मानिकपुर | 22:43 | 22:45 |
| 05:10 | 05:15 | प्रयागराज छिवकी | 18:30 | 18:35 |
| 06:23 | 06:25 | मिर्ज़ापुर | 16:50 | 16:52 |
| 07:10 | 07:12 | चुनार | 16:25 | 16:27 |
| 10:15 | ..... | बनारस | ..... | 14:45 |

**अन्य ठहराव :** उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी मन्डी दीप, ओबेदुल्लागंज, बुदनी, नर्मदापुरम, इटारसी, सोहागपुर, पिपरिया, गाडरवारा, करेली, नरसिंहपुर, श्रीधाम, मदन महल, जबलपुर जं., देवरी, सिहोरा रोड, कटनी जं., झुकेही, मैहर, सतना जं., जैतवार तथा मझगवां पर भी रूकेगी।

- **रानी कमलापति से गाड़ी संख्या** 01661, सोमवार, गुरूवार, **दिनांक** 16.01.25, 20.01.25, 23.01.25, 06.02.25, 17.02.25, 20.02.25
- **बनारस से** गाड़ी संख्या 01662, मंगलवार, शुक्रवार, **दिनांक** 17.01.25, 21.01.25, 24.01.25, 07.02.25, 18.02.25, 21.02.25

**गाड़ी संरचना :** सामान्य श्रेणी : 02, स्लीपर श्रेणी : 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 04, वातानुकूलित तृतीय इकोनामी श्रेणी : 07, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी - 02

**गाड़ी सं. 09801/09802 सोगरिया-बनारस कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी**

| गाड़ी संख्या - 09801 | | | गाड़ी संख्या - 09802 | |
|---|---|---|---|---|
| सोगरिया - बनारस | | | बनारस - सोगरिया | |
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| ----- | 08:15 | सोगरिया | 15:45 | ----- |
| 03:00 | 03:02 | मानिकपुर | 22:43 | 22:45 |
| 05:10 | 05:15 | प्रयागराज छिवकी | 18:30 | 18:35 |
| 06:23 | 06:25 | मिर्ज़ापुर | 16:50 | 16:52 |
| 07:10 | 07:12 | चुनार | 16:25 | 16:27 |
| 10:15 | ----- | बनारस | ----- | 14:45 |

**अन्य ठहराव :** उपरोक्त स्टेशनों के अतिरिक्त यह गाड़ी अन्ता, बारां, अटरू, छबड़ा गुगोर, रूठियाई जं., गुना, अशोक नगर, मुंगावली, बीना मालखेड़ी, खुरई, नरयावली, सागर, गिरवर, गनेशगंज, पथरिया, दमोह, बांदकपुर, रीठी, कटनी जं., झुकेही, मैहर, सतना जं., जैतवार तथा मझगवां पर भी रूकेगी।

- **सोगरिया से गाड़ी संख्या** 09801, मंगलवार, शुक्रवार, दिनांक : 17.01.25, 21.01.25, 24.01.25, 07.02.25, 14.02.25, 18.02.25, 21.02.25,
- **बनारस से गाड़ी संख्या** 09802, बुधवार, शनिवार दिनांक : 18.01.25, 22.01.25, 25.01.25, 08.02.25, 15.02.25, 19.02.25, 22.02.25

**गाड़ी संरचना :** सामान्य श्रेणी : 02, स्लीपर श्रेणी : 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 04, वातानुकूलित तृतीय इकोनामी श्रेणी : 07, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी - 02

ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.Indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2123/24(AS)

# श्रीपंचदशनाम जूना अखाडा ने महाकुम्भ नगर में प्रवेश किया

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण 13 अखाड़ों का महाकुम्भ नगर में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में शनिवार को महाकुम्भ 2025 के लिए श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े ने पूरी भव्यता और राजसी अंदाज के साथ महाकुम्भ नगर में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने भी अनुगामी बनकर अपनी छावनी में प्रवेश किया। शनिवार को श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े ने अपने आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी की अगुवाई में अपनी छावनी में प्रवेश किया। जूना अखाड़े के श्रीमौज गिरी आश्रम से शुरू हुई जूना की यह प्रवेशाई महाकुम्भ नगर के सेक्टर 20 में समाप्त हुई। जूना अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी का कहना है कि इस प्रवेश यात्रा में आचार्य महा मंडलेश्वर सहित 65 महा मंडलेश्वरों ने हिस्सा लिया। सौ से अधिक शाही बग्घियों में सवार होकर 8 हजार से अधिक साधु संत छावनी पहुंचे। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी का कहना है कि दुनिया भर के करोड़ों लोगों की नजरें हमारे सनातन संस्कृति के कालजयी पर्व पर हैं। हमारे अखाड़े का छावनी प्रवेश में पहला दिन होगा जिसके बाद अखाड़े के सभी पूजा अनुष्ठान छावनी में स्थापित देवता के समक्ष होंगे। श्रीपंचदशनाम अखाड़े के साथ उसका अनुगामी बनकर किन्नर अखाड़े ने भी अपनी प्रवेश यात्रा निकाली। किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में यह प्रवेश यात्रा निकाली गई जिसमें किन्नर अखाड़े के सैकड़ों सदस्यों ने हिस्सा लिया। भव्य राजसी सिंहासनों में सवार होकर किन्नर अखाड़े की सवारी निकली। स्पेन से आई जूना अखाड़े की अवधूत संत अंजना गिरी बताती हैं कि वह 30 बरस से हर कुम्भ और महाकुम्भ आ रही हैं लेकीन महा कुम्भ में इतनी स्वच्छता और इतनी भव्यता कभी नहीं दिखी।

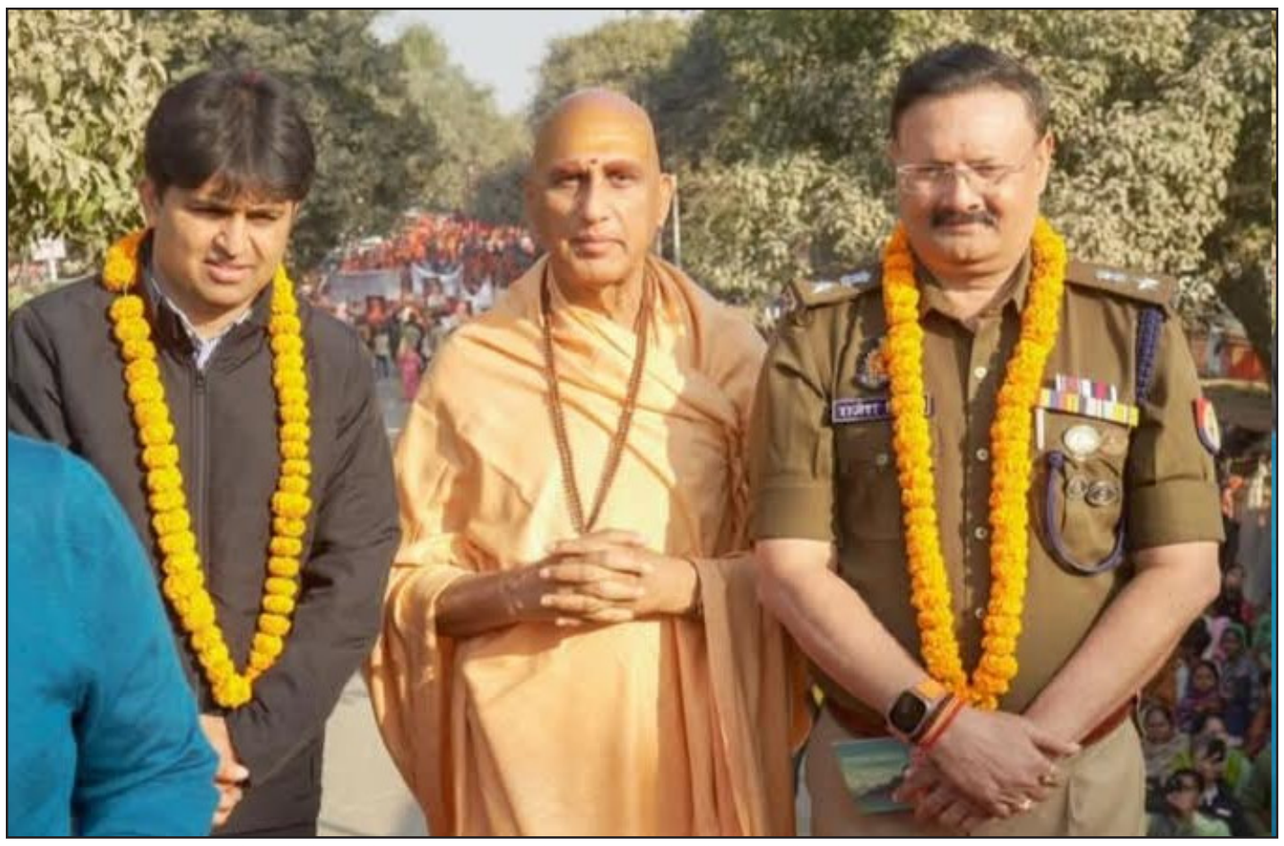

महाकुम्भ 2025: कुंभ मेलाधिकारी विजय किरण आनंद, एएसपी कुंभ राजेश द्विवेदी ने जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर श्री स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज से आशीर्वाद लिया।

शनिवार को जूना अखाड़ा ने कुंभनगर में प्रवेश उपरान्त जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर श्री स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज संगम की आरती करते हुए।

# कैंसर कोशिका रोधी अवयव स्वस्थ व रक्षक कोशिकाओं के लिये भी घातक – डॉ अजय सोनकर

प्रयागराज। पद्मश्री से सम्मानित विख्यात वैज्ञानिक डा० अजय कुमार सोनकर ने बताया कि आजकल सोशल मीडिया पर कैंसर के उपचार व ख़ात्मे के लिये तमाम ज्ञान की बाढ़ आ गयी हैं। जो किसी के लिये भी प्राण घातक साबित हो सकता है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने बताया कि जैसे कैंसर को ख़त्म करने के लिये हल्दी बहुत उपयोगी है। नेदरलैण्ड की वागनिन्जन युनिवर्शिटी एण्ड रिसर्च से कैंसर एण्ड न्युट्रीशन पर अध्ययन कर चुके वैज्ञानिक डा० अजय ने बताया कि हल्दी में करक्युमिन नाम का सक्रिय घटक पाया जाता है जो साइटोटाक्सिक होता है जिसका अर्थ है कि इसमें कोशिकाओं को मारने की क्षमता है, प्रयोगों में पाया गया है कि करक्यूमिन कैंसर स्टेम कोशिकाओं के खिलाफ़ विशेष रूप से प्रभावी है जो आक्रामक और उपचार के लिए प्रतिरोधी हैं। साथ में कर्क्यूमिन लिम्फोइड कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाता है, जिसे हम व्हाइट ब्लड सेल के नाम से जानते हैं जो हमारे रक्षा प्रणाली की मुख्य कोशिकायें हैं। ये लिम्फोसाइट प्रसार को रोकता है। कर्क्यूमिन लिम्फोइड कोशिकाओं में प्रतिरक्षा कार्यों के उत्पादन को अपरिवर्तनीय रूप से बाधित कर सकता है। बी सेल लिम्फोमा में एपोप्टोसिस का कारण बनता है और बी लिम्फोमा कोशिकाओं के प्रसार को रोक देता है। एनके/टी–सेल लिम्फोमा सेल लाइनों में एपोप्टोसिस को प्रेरित करता है। कर्क्यूमिन खुराक पर निर्भर तरीके से प्राथमिक सीएलएल बी–कोशिकाओं में एपोप्टोसिस को प्रेरित कर सकता है। करक्यूमिन हल्दी से प्राप्त एक आहार पॉलीफेनोल है जो बी लिम्फोसाइट्स,टी लिम्फोसाइट्स,डेंड्राइटिक कोशिकाओं, मैक्रोफेज और प्राकृतिक किलर कोशिकाओं सहित विभिन्न प्रतिरक्षा कोशिकाओं को प्रभावित कर सकता है। करक्यूमिन प्स–8 के उत्पादन को भी रोक सकता है, जो एक शक्तिशाली कीमो आट्रैक्टेंट है जो इन्फ्लेमेशन को बढ़ावा दे सकता है। इसलिये करक्युमिन का उपयोग पूरी सावधानी व विशेषज्ञों की देखरेख में आवश्यकतानुसार ही किया जाना चाहिये। वैज्ञानिक डा० अजय ने कहा कि हमें ये समझना होगा कि मारे जाने की दृष्टि से कैंसर की कोशिकायें भी सामान्य कोशिकाओं की तरह ही होती हैं जो पदार्थ कैंसर की कोशिकाओं को मार सकता है वह सामान्य कोशिकाओं के लिये भी घातक है। चिकित्सा विज्ञान में ऐसा कोई उपचार प्रणाली नहीं है जिससे कैंसर की कोशिकाओं को सामान्य कोशिकाओं में वापस बदला जा सकता हो। कैंसर की कोशिकाओं को रेडियेशन, इम्पोटेशन, व कीमो थेरेफी के द्वारा नष्ट कर के शरीर से अलग करना ही उपचार है। इसीलिये अक्सर कैंसर से प्रभावित अंग को काटकर शरीर से निकाल दिया जाता है। कैंसर अस्वस्थ व आप्राकृतिक जीवनशैली के कारण पनपता है। प्राकृतिक जीवनशैली में जी रहे जीवों के शरीर में एक प्राकृतिक कोशिकीय गतिविधि होती है जिसके तहत कैंसर की कोशिकाओं व अन्य अस्वस्थ कोशिकाओं को शरीर रिसाइकल करता रहता है जिसके तहत ऐसी कोशिकायें नयी कोशिकाओं से प्रतिस्थापित होती रहती हैं। इस सेल्युलर गतिविधि को आटोफेजी कहा जाता है।

## पंचाध्यायी के पांच गीत ही भागवत कथा के प्राण हैं: डॉ. विशुद्धानंद जी महाराज

प्रयागराज ।क्षेत्र के चंद्रा (मोजरा) में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में व्यासपीठ से डॉ विशुद्धानंद जी महाराज ने गोवर्धन–पूजा,छप्पन–भोग, महारास–लीला एवं श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह का संगीतमय वर्णन किया। कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं और उनमें गाए जाने वाले पंचगीत भागवत के पंच प्राण हैं। इन गीतों को भावपूर्वक गाने से व्यक्ति भव से पार हो जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला द्वारा जीवात्मा का परमात्मा से मिलन हुआ। श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की झांकी से सभी श्रद्धालु आनंदित हुए और विवाह का संगीतमय वर्णन आते ही श्रीकृष्ण और रुक्मिणी पर जमकर पुष्पवर्षा हुई। व्यासपीठ से बोलते हुए महाराज श्री ने बताया कि जो लोग श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह प्रसंग को ध्यान से सुनते हैं, उनकी वैवाहिक समस्या समाप्त हो जाती है। उसका कारण है कि जीव परमात्मा का ही अंश है, इसीलिए जीव में अपार शक्ति होती है। यदि कोई कमी होती है तो वह मात्र संकल्प की होती है।संकल्प एवं कपट रहित होने से भगवान मनोकामना पूर्ण करते हैं। रासलीला काम को बढ़ाने की नहीं, बल्कि काम पर विजय पाने की कथा है। इस कथा में कामदेव ने अपने सामर्थ्य के अनुसार भगवान पर आक्रमण किया था, पर वह भगवान को पराजित नहीं कर सका, और स्वयं ही परास्त हो गया। जब भी जीव में अभिमान आता है, प्रभु उससे दूर हो जाते हैं। भगवान भक्त का धन–संपत्ति नहीं, बल्कि उसका निस्वार्थ भाव देखते हैं। उन्होंने बताया कि गरीब होने के बाद भी सुदामा जी ने श्रीकृष्ण से कभी कुछ नहीं मांगा। यथाशक्ति निस्वार्थ भाव से श्रीकृष्ण की सेवा की। भगवान इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने सुदामा को अपना सखा बनाया। इस दौरान अमरनाथ दुबे,दिवाकराचार्य त्रिपाठी,अभिराम त्रिपाठी, इंद्रजीत गर्ग,राममिलन ओझा, श्यामदास जी महाराज, कुंजनलाल मिश्रा,अनूप त्रिपाठी, विपिन मिश्रा,हसन,अतुल मिश्रा, आशीष मिश्रा, दिनेश चन्द्र मिश्रा,उमेश, अवध नारायण मिश्रा, मुन्नीलाल पाल, शीला गर्ग प्रधान नीबी, रामचन्द्र पाल, बलराम शुक्ला, उमाशंकर पांडेय,अलोपी गौतम, केपी सिंह मास्टर, गिरजा शंकर त्रिपाठी सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कुंभनगर प्रवेश के उपरान्त का दृश्य।

## यूपी पीसीएस परीक्षा जनपद में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस की निगरानी में होगी संपन्न – जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2024 को आयोजित यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 को जनपद प्रतापगढ़ में पवित्रता, शुचिता, निष्पक्ष एवं नकल विहीन संपन्न करने के लिए जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक व अन्य अधिकारियों के साथ विशेष बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जैसा कि हम सब जानते हैं यह परीक्षा जनपद को पहली बार मिल रही है, यह परीक्षा अत्यंत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील है, हमारी जरा सी लापरवाही हमें बड़ी मुसीबत में डाल सकती है, यह हमारे जनपद के लिए प्रतिष्ठा का विषय है जिसे हमें सब मिलकर अच्छे से संपन्न करना है, अभी तक जैसा हम लोगों ने सभी परीक्षाओं को नकल विहीन संपन्न कराया है, वैसे ही इस प्रतिष्ठित परीक्षा को नकल विहीन और शुचितापूर्ण पूर्ण ढंग से संपन्न करना है। इस परीक्षा के लिए जो 14 केंद्र बनाए गए हैं वह सभी जनपद के श्रेष्ठ एवं प्रतिष्ठित केंद्र हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि यूपी पीसीएस परीक्षा जनपद में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस की निगरानी में सम्पन्न होगी।

सम्पादक
**सिद्धनाथ द्विवेदी**
प्रबन्धक निदेशक
**दीपक जयसवाल**
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062